गोपनीय/अतिआवश्यक

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश

1-तिलक मार्ग, लखनऊ ।

परिपत्र संख्याः डीजी-51/2013 दिनॉकः सितम्बर\4, 2013

1. समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, प्रभारी जनपद, उत्तर प्रदेश ।
2. समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस उपमहानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश ।
3. समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश ।

विगत महीनों में यह देखा गया है कि जनपदों में अत्यन्त ही छोटी-छोटी घटनाओं/ विवादों जिनमें छोटे बच्चों के आपसी झगड़े भी सम्मिलित हैं, को भी साम्प्रदायिक रूप दिये जाने का प्रयास किया गया है। हालॉकि ऐसी सभी घटनाओं में जनपदीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुॅचकर विवाद को सुलझा दिया गया, जिसके फलस्वरूप ऐसे विवाद साम्प्रदायिक उन्माद का रूप नहीं ले सके। फिर भी इस प्रकार की गतिविधियों को जनपदीय पुलिस द्वारा अत्यन्त ही गम्भीरतापूर्वक लेने की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक नये प्रकार की गतिविधि(Development) है। ऐसा आभास होता है कि इन विवादों को साम्प्रदायिक रूप देने के पीछे कोई संगठन प्रयासरत हैं अन्यथा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे छोटे विवादों को बड़ा रूप देने के प्रयासों में सादृश्यता एवं व्यापकता न होती। इसके अतिरिक्त छोटी-छोटी घटनाओं को वृहद रूप दिये जाने के लिए झूठी अफवाहें भी फैलाई जाती हैं एवं सोशल नेटवर्किंग साइट जैसे फेसबुक, ट्वीटर आदि पर भी ऐसी घटनाओं को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करके साम्प्रदायिक उन्माद फैलाने का प्रयास किया जा रहा है ।

2. अतः आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि जो व्यक्ति ऐसे छोटे छोटे विवादों को साम्प्रदायिक रूप देने का प्रयास कर रहे हैं, उनकी पहचान कर उन्हें चिन्हित कर लें, उनके विरूद्ध समुचित वैधानिक कार्यवाही करें और ऐसे व्यक्तियों के सम्बन्ध में स्थानीय अभिसूचना इकाई की डायरी तथा थानों के गोपनीय अभिलेखों में या थाने की जी.डी. आदि में भी विवरण अंकित कर लें, ताकि आने वाले समय में भी यह अभिलेख पुलिस को शान्ति बनाए रखने के उद्देश्य से की जाने वाली निरोधात्मक कार्यवाही में सहायक रहें। यह भी पता लगाने का प्रयास करें कि इनके पीछे कोई संगठन अथवा नेटवर्क तो नहीं कार्य कर रहा है एवं उनके विरूद्ध प्रभावी निरोधात्मक वैधानिक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। यदि हम ऐसे सुनियोजित षडयन्त्र का शीघ्र पर्दाफाश नहीं करेंगें तो आने वाले समय में प्रदेश में साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखना प्रदेश पुलिस के लिए एक विकट कार्य होगा। विगत दिनों में यह भी देखा गया है कि असामाजिक तत्वों द्वारा साम्प्रदायिक विवादों एवं उससे उत्पन्न साम्प्रदायिक उन्मादों को देहात क्षेत्र में भी फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। जनपद मुजफ्फरनगर में हाल ही में हुई घटनायें देहात क्षेत्रों में फैलायी जाने वाली इसी तरह की साम्प्रदायिक संवेदनशीलता की ही परिणति है। इस समय प्रदेश में साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखना एक अत्यन्त चुनौतीपूर्ण कार्य है और इसके लिए हमें निरन्तर प्रयास करना पड़ेगा ।

3. अतः आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि जनपदीय स्थानीय अभिसूचना इकाई को और अधिक सक्रिय करें एवं थाना स्तर से भी महत्वपूर्ण अभिसूचनायें एकत्रित करें। प्राप्त अभिसूचनाओं के आधार पर प्रभावी निरोधात्मक, वैधानिक कार्यवाही कर ऐसे अवांछनीय व्यक्तियों/संगठनों पर अंकुश लगाना सुनिश्चित करें। किसी भी असामाजिक तत्व/संगठन को साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का मौका नहीं दिया जाय ।

13-9-13

(देवराज नागर)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को भी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु प्रेषित :-

1. अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून-व्यवस्था, उ0प्र0 ।
2. अपर पुलिस महानिदेशक, अभिसूचना, उ0प्र0 ।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश ।